कबसे खड़े हैं झोली पसार

कबसे खड़े हैं झोली पसार,
क्यों न सुने तू मेरी पुकार,
जग रखवाला है मेरे सांवरियां,
तेरा ही सहारा है मेरे सांवरियां,

देख लो लगी है आज मंदिर में ये भीड़ भारी,
दर्शनों की खातिर आये है लाखो नर और नारी,
आजये मुराई अब दीनों ने पुकारा है मेरे सांवरियां,
तेरा ही सहारा है मेरे सांवरियां,

ज़िंदगी से हारे गम ज़माने का हम लेके आये,
तू बता जहां में लोग अपने क्यों हुए पराये,
तेरे सिवा दुनिया में कोई न हमारा है मेरे सांवरियां,
तेरा ही सहारा है मेरे सांवरियां,

रसता न सूजे कहा जाए मुसीबत के मारे,
आसरा है तेरा दूर करदो संकट हमारे,
सुनते है तूने ही लाखो को उबारा है मेरे सांवरिया,
तेरा ही सहारा है मेरे सांवरियां,

आ गए शरण में भोज पापो का सिर पर उठाये,
कर नजर दया की तेरे भक्त है तुझे भुलाये,
सेवा में हमने तेरे जीवन गुजरा है मेरे सांवरियां,
तेरा ही सहारा है मेरे सांवरियां,

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/6356/title/kabse-khade-hai-jholi-pasaar-kyu-na-sune-tu-meri-pukaar

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |